पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

सामंथा रुथप्रभू ने कन्फर्म की प्रेग्नेंसी

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 101 ■ शुक्रवार 26 जून 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

गांजे के डंठल, फल, फूल के साथ एक गिरफ्तार

■ बुवापाड़ा संघटन चौक से युवक पकड़ा गया

अंबरनाथ. अंबरनाथ में मादक पदार्थ बेचने वालों ने अब गांजे के डंठल के साथ गांजे के पत्ते आदि भी बेचना शुरू कर दिया है. अंबरनाथ पुलिस ने संघटन चौक बुवापाड़ा से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से गांजे का सूखा हुआ डंठल बरामद किया है. इसमें गांजे के पत्ते, बीज और फूल भी हैं. पुलिस ने बुवापाड़ा से प्रेम अखिलेश परदेशी (25) को पकड़ा है. परदेशी 24 जून को रात में सवा सात बजे संघटन चौक तुलसी किराना स्टोर के पास गली में गांजा के सूखे डंठल, फल, बीज, फूल, पत्ते बेचने केलिए लाया था. उसे एनडीपीएस एक्ट के अनुसार गिरफ्तार कर लिया गया है. दो दिनों पूर्व ही अंबरनाथ पुलिस ने शहर पश्चिम के सिद्धार्थ नगर से दो लोगों को मादक पदार्थ के साथ पकड़ा है. उनके पास से एक लाख रुपयों से नशावर पदार्थ जब्त किए गए हैं. अंबरनाथ पुलिस ने मादक पदार्थ विक्रेताओं पर शिकंजा कसने के लिए एक स्पेशन पुलिस की टीम तैयार की है. अंबरनाथ पश्चिम के गांधी नगर, सिद्धार्थ नगर में ये नशे के व्यापारी ज्यादा हैं. यहां पर फूकट नगर भी है, जिसमें पत्रे के घर बनाकर मुंबई से आए लोग रह रहे हैं. पिछले दिनों इसी पत्रे के घर में दो महिलाएं गांजे की विक्री करती देखी गई है. अब बुवापाड़ा से एक व्यक्ति को पकड़ा गया है. मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक अविनाश गायकवाड़ कर रहे हैं.

119 करोड़ की हुई प्रॉपर्टी की जांच

मनपा का 'प्रोजेक्ट मंथन' सफल

जून के आखिर तक 80 फीसदी से ज़्यादा प्रॉपर्टी टैक्स बिल बांटे गए

उल्हासनगर. उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के इतिहास में पहली बार जून महीने तक 80 परसेंट से ज़्यादा प्रॉपर्टी टैक्स बिल बांटने का रिकॉर्ड बना है। इसके अलावा, सालों से पेंडिंग प्रॉपर्टी टैक्स रिकॉर्ड की गलतियों पर भी बड़ी कार्रवाई की गई है। 'एक्यूरेट टैक्स सिस्टम, ज़ीरो एरियर' के लक्ष्य के साथ चलाए गए 'प्रोजेक्ट मंथन' कैंपेन की वजह से 119 करोड़ रुपये से ज़्यादा की ऐसी प्रॉपर्टी की जांच, जो हैं ही नहीं, हज़ारों रिकॉर्ड अपडेट करना और डिजिटल मैनेजमेंट लागू करना सफलतापूर्वक किया जा रहा है और रेवेन्यू मैनेजमेंट में ऐतिहासिक बदलाव देखे जा रहे हैं।

कैंपेन के पहले फेज़ में पांच लाख रुपये से ज़्यादा टैक्स देनदारी वाली प्रॉपर्टी की जांच की गई। इसमें 1,174 ऐसी प्रॉपर्टीज़ पर 119.99 करोड़ रुपये का बकाया राइट ऑफ करने का प्रस्ताव आगे की मंज़ूरी के लिए पेश किया गया है, जो असल में हैं ही नहीं या मिल नहीं पा रही हैं। साथ ही, डुप्लीकेट एंट्री वाली 114 प्रॉपर्टीज़ पर 13.36 करोड़ रुपये, मोबाइल टावर से जुड़ी 50 प्रॉपर्टीज़ पर 15.43 करोड़ रुपये और सड़क चौड़ीकरण, बेदखल या जर्जर प्रॉपर्टीज़ से जुड़े 163 मामलों में 24.29 करोड़ रुपये की मांगों का वेरिफिकेशन पूरा हो चुका है।

'गुमशुदा मालिक का नाम' वाली 6,383 प्रॉपर्टीज़ की जानकारी अपडेट करने के लिए एक खास कैंपेन चलाया जा रहा है। शहर की 1 लाख 82 हज़ार 803 प्रॉपर्टीज़ में से 76 परसेंट से ज़्यादा प्रॉपर्टी मालिकों के मोबाइल नंबर सिस्टम में अपडेट कर दिए गए हैं। इससे पेंडिंग टैक्स, अलग-अलग स्कीम और ज़रूरी नोटिफिकेशन सीधे नागरिकों तक SMS और WhatsApp के ज़रिए पहुँच रहे हैं।

मनपा ने ऑनलाइन टैक्स पेमेंट के लिए हेल्पलाइन, ई-मेल सर्विस और WhatsApp चैनल शुरू किया है, और 1 लाख 64 हज़ार 965 प्रॉपर्टीज़ की GIS मैपिंग पूरी हो चुकी है। बाकी प्रॉपर्टीज़ की जियो-टैगिंग चल रही है। टाउन प्लानिंग डिपार्टमेंट से मिले कंस्ट्रक्शन कम्प्लीशन सर्टिफिकेट के आधार पर नई प्रॉपर्टीज़ का रजिस्ट्रेशन, स्पेशल नोटिस और रेवेन्यू बढ़ाने के लिए अलग-अलग उपाय किए जा रहे हैं। 'प्रोजेक्ट मंथन' ने प्रॉपर्टी टैक्स मैनेजमेंट में ट्रांसपेरेंसी, एक्यूरेसी और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन का एक नया चैप्टर शुरू किया है।

प्रोजेक्ट मंथन प्रॉपर्टी टैक्स मैनेजमेंट में बड़े बदलाव ला रहा है। उल्हासनगर नगर निगम के इतिहास में पहली बार जून तक 80 परसेंट से ज़्यादा टैक्स बिल बांटे जा चुके हैं। हमारा मकसद सही डेटा, डिजिटल सिस्टम और ट्रांसपेरेंट प्रोसेस के ज़रिए रेवेन्यू बढ़ाने के साथ-साथ नागरिकों को ज़्यादा बेहतर और तेज़ सर्विस देना है।
– **मनीषा आव्हाले**, कमिश्नर, उल्हासनगर नगर निगम

मनपा आयुक्त के गाइडेंस में, प्रॉपर्टी टैक्स डिपार्टमेंट ने 'प्रोजेक्ट मंथन' के तहत इस साल डेटाबेस में हज़ारों गलतियों को ढूंढकर ठीक करने का बहुत अच्छा काम किया है। हर एंट्री को वेरिफाई करके, हर प्रॉपर्टी को ट्रैक करके और टेक्नोलॉजी का अच्छे से इस्तेमाल करके, हमने टैक्स सिस्टम को और भरोसेमंद बनाने की कोशिश की है।
– **नीलम कदम**, टैक्स असेसर और कलेक्शन ऑफिसर

विट्ठलवाड़ी डिपो की बस दुर्घटनाग्रस्त

कल्याण. ST महामंडल विट्ठलवाड़ी डिपो की बस कल्याण नगर नेशनल हाईवे पर टोकावेडे गांव की सीमा में मणिवली में दुर्घटना ग्रस्त हो गई. ताहराबाद जा रही यह बस एक्सीडेंट होकर सड़क किनारे गिर गई। बताया जा रहा है कि ड्राइवर बस से कंट्रोल खो बैठा और बस में ड्राइवर और कंडक्टर के अलावा करीब बीस यात्री थे। कंडक्टर ने बताया कि खुशकिस्मती से एक्सीडेंट में किसी को चोट नहीं आई।

कल्याण नगर नेशनल हाईवे पर कदमपाड़ा से मालशेजघाट तक करीब 1,000 करोड़ रुपये की लागत से कंक्रीट बिछाई गई है। हालांकि सड़क की आम चौड़ाई बढ़ा दी गई है, लेकिन सड़क पर लगातार मोड़ होने की वजह से इस हाईवे पर एक्सीडेंट होते रहते हैं। विट्ठलवाड़ी डिपो की एक बस विट्ठलवाड़ी से मुरबाड होते हुए ताहराबाद जा रही थी और टोकावडे की सीमा में मणिवली पहुंचने पर मोड़ पर ड्राइवर ने बस पर से कंट्रोल खो दिया और बस सड़क के किनारे एक खेत में पलट गई। यात्रियों को कोई चोट नहीं आई क्योंकि किनारे पर मिट्टी भरी हुई थी।

युवक पर 20 गुंडों ने मिलकर किया हमला

■ घटना सीसीटीवी में कैद
■ घायल सेंट्रल अस्पताल में दाखिल
■ पुराने विवाद को लेकर हुआ हमला

उल्हासनगर. उल्हासनगर-4 रेलवे स्टेशन क्षेत्र में पार्किंग स्थल पर पुराने विवाद को लेकर एक युवक पर करीब 20 लोगों ने धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया है। यह घटना 22 जून की रात 12.20 बजे की है। जहां गुंडों की टोली एक अकेले युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। घायल युवक का नाम रोहित गायकवाड़ बताया है उसका ईलाज सेंट्रल अस्पताल में चल रहा है। शिकायतकर्ता रोहित ने बताया कि उसके दोस्त की बीवी का मोबाईल व अंगूठी आरोपियों ने लूटा था वो मांगने मैं गया था कि श्री गणेश पार्किंग में मौजूद आरोपी रोहित खान उर्फ चोको, राजा खान, जतिन शिव, सैंडी, सन्नी दिवाकर सहित 15 लोगों ने उस पर डंडे, कायता और लोखंडे रॉड से जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में वो गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसका ईलाज सेंट्रल अस्पताल में चल रहा है।

विट्ठलवाड़ी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रहे हैं। सभी आरोपी फरार बताए गए हैं। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज देखकर ऐसा लग रहा है कि आजकल के अपराधियों को पुलिस का डर ही नहीं है।

बदलापुर में पत्नी की निर्मम हत्या से सनसनी

■ पति-सास गिरफ्तार
■ बदलापुर पश्चिम पुलिस में मामला दर्ज
■ दो माह बाद खुला राज
■ पति ने पत्नी की मौत को हार्टअटैक बताया
■ तलाक नहीं देने पर की हत्या

बदलापुर. बदलापुर में एक पति ने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या से सनसनी फैल गई है। खबर मिली है कि यह हत्या अनैतिक संबंध को लेकर हुई है। लेकिन आरोपी पति ने दावा किया है उसकी पत्नी की मौत हार्टअटैक से हुई है। जबकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार उसका नाक व मुंह दबाकर हत्या की गई है। बदलापुर पुलिस ने मामले की जांच कर आरोपी पति और उसकी मां को गिरफ्तार कर लिया है।मिली जानकारी के अनुसार बदलापुर के एरंजद गांव निवासी योगेश मेहर की शादी प्राजक्ता मेहर से 2010 में हुई थी। लेकिन पति का किसी दूसरी औरत से अनैतिक संबंध था जिस कारण दोनों के बीच हमेशा से ही लड़ाई होती थी और वो अपनी पत्नी पर तलाक के लिए दबाव बना रहा था लेकिन उसकी पत्नी ने तलाक से मना कर दिया था। इसलिए आरोपी ने उसे मारने का फैसला किया। पुलिस जांच में पता चला कि पत्नी का नाक और मुंह दबाकर उसे मारा गया है। 14 मार्च 2026 को प्राजक्ता के पिता ने आरोप लगाया कि योगेश ने उन्हें फोन कर अपनी बेटी वापस ले जाने को कहा। इसके बाद 8 अप्रैल को योगेश और प्राजक्ता के बीच फिर झगड़ा हुआ और 9 अप्रैल को योगेश ने प्राजक्ता के रिश्तेदारों को बताया कि हार्ट अटैक से उसकी मौत हो गई है। इसके बाद पुलिस ने एक्सीडेंटल डेथ का केस भी दर्ज किया। हालांकि, प्राजक्ता के रिश्तेदारों के शक पर मुंबई के जेजे हॉस्पिटल में उसका पोस्टमॉर्टम कराया गया। 23 जून को पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला कि प्राजक्ता की मौत हार्ट अटैक से नहीं हुई बल्कि उसकी नाक और मुंह दबाकर हत्या की गई थी। बदलापुर पश्चिम पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया और आरोपी योगेश मेहर और उसकी मां अरुणा मेहर को गिरफ्तार कर लिया। प्राजक्ता के परिवार ने मांग की है कि इस मामले में योगेश की गर्लफ्रेंड पूजा मेहर के साथ-साथ उसकी बहनों हर्षदा कोंडिलकर और कुसुम बोराडे को भी आरोपी बनाया जाए।

युवक की मौत के मामले में तीन के खिलाफ केस दर्ज

उल्हासनगर. रवि मोरे (30) की 18 जून की रात को एक स्थानीय नेता के जन्मदिन का बैनर लगाते समय करंट लगने से मौत हो गई। उल्हासनगर पुलिस ने जांच के बाद रोहन कांबले समेत तीन के खिलाफ केस दर्ज किया है। रवि को रोहन कांबले ने उल्हासनगर इलाके में बैनर लगाने के लिए बुलाया था। रोहन और उसके दो अनजान साथियों ने कोई सेफ्टी सावधानी नहीं बरती और न ही कोई सिक्योरिटी उपाय किए।

प्राजक्ता कुलकर्णी बनीं मनपा की जनसंपर्क अधिकारी

उल्हासनगर. मनपा प्रशासन में एक अहम बदलाव करते हुए कमिश्नर मनीषा आव्हाले ने जनसंपर्क विभाग के काम में फेरबदल किया है। सहायक आयुक्त अजय साबले से जनसंपर्क अधिकारी के पद का एडिशनल चार्ज लेकर सीनियर क्लर्क प्राजक्ता कुलकर्णी को दिया गया है। इस ऑर्डर के साथ ही मनपा के पब्लिक रिलेशन्स डिपार्टमेंट में नई जिम्मेदारियां शुरू हो गई हैं। प्रशासनिक काम में और ज़्यादा तालमेल लाने के मकसद से मनपा कमिश्नर मनीषा आव्हाले ने जनसंपर्क विभाग के काम में थोड़ा बदलाव करते हुए एक ऑर्डर जारी किया है। उस ऑर्डर के मुताबिक, असिस्टेंट कमिश्नर अजय साबले के पास जो पब्लिक रिलेशन्स ऑफिसर का एडिशनल चार्ज था, उसे तुरंत खत्म कर दिया गया है। उनकी जगह सीनियर क्लर्क प्राजक्ता कुलकर्णी को अगले ऑर्डर तक पब्लिक रिलेशन्स ऑफिसर के पद का इंचार्ज चार्ज दिया गया है। प्राजक्ता कुलकर्णी पहले उल्हासनगर मनपा में सेक्रेटरी और पब्लिक रिलेशन्स ऑफिसर के तौर पर काम कर चुकी हैं। इस बीच, ऑर्डर में संबंधित अधिकारियों को तुरंत चार्ज लेने और काम शुरू करने के साथ-साथ एक कंप्लायंस रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया गया है।

प्रेम संबंध को लेकर युवक पर जानलेवा हमला

■ अंबरनाथ के पालेगांव की घटना
■ चारों हमलावर फरार
■ युवक केईएम अस्पताल में भर्ती

अंबरनाथ. अंबरनाथ के पालेगांव इलाके में एक चौंकाने वाली घटना हुई है, जहां एक युवक को प्रेम संबंध के चलते उसे जान से मारने की कोशिश की गई है। इस हमले में युवक ओम खोरे गंभीर रूप से घायल हो गया और फिलहाल उसका मुंबई के KM हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। मंगलवार रात करीब 9 बजे ओम खोरे पालेगांव में सोल फिटनेस में कुछ जिम वर्क करने गया था। रात करीब 10:30 बजे पालेगांव के संदीप गवली, रवि परमार उर्फ शंभू, नयन माधवी, सचिन पाटिल और राज देसेकर ने मिलकर ओम खोरे को पास के खेत में ले जाकर लकड़ी के डंडे से जानलेवा हमला कर दिया। इसमें ओम के हाथ, पैर और पीठ पर लकड़ी के डंडे से मारने की वजह से वो बुरी तरह घायल हो गया। बताया जा रहा है कि उसके पूरे शरीर में चार फ्रैक्चर हैं। इस हमले के बाद ओम को पहले इलाज के लिए उल्हासनगर के सेंट्रल हॉस्पिटल में ले जाया गया था, लेकिन उसकी हालत गंभीर होने की वजह से उसे मुंबई के KM हॉस्पिटल में शिफ्ट कर दिया गया है। यह पूरा मामला लड़की के लव अफेयर के शक में था। इस घटना के बाद, संदीप गवली समेत चार लोगों के खिलाफ अंबरनाथ के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया गया। फिलहाल, सभी आरोपी फरार हैं और पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

अवैध मंजिल पर चला मनपा का हथौड़ा

■ स्थानीय व्यापारियों ने मनपा से की थी शिकायत

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगर पालिका ने शहंशाह मार्केट के पीछे कथित तौर पर विवादित मंजिल पर हथौड़े बरसाकर उसे गिरा दिया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, स्थानीय व्यापारियों ने संबंधित जगह पर तेज़ी से हो रहे कंस्ट्रक्शन पर बार-बार आपत्ति जताई थी। व्यापारियों ने शिकायत की थी कि इस कंस्ट्रक्शन से सड़कों पर रुकावटें आ रही हैं, जिससे ट्रैफिक और कमर्शियल लेन-देन पर असर पड़ रहा है। इलाके में सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल उठ रहे थे। मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया था।

कंस्ट्रक्शन गिराने के दौरान नागरिकों और व्यापारियों की भीड़ कमिश्नर मनीषा आव्हाले के आदेश और एडिशनल कमिश्नर डॉ. धीरज चव्हाण के मार्गदर्शन में असिस्टेंट कमिश्नर गणेश शिम्पी की टीम ने पुलिस सुरक्षा में विवादित कंस्ट्रक्शन पर सीधा हथौड़ा चलाने का ऑपरेशन शुरू किया। कुछ घंटों तक चले इस अभियान में स्लैब तोड़ दिया गया। कार्रवाई के दौरान इलाके में नागरिकों और व्यापारियों की भारी भीड़ जमा हो गई थी। नागरिक अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं कि मनपा प्रशासन ने एक बार फिर अपनी कार्रवाई से दिखा दिया है कि 'नियमों से ऊपर कोई नहीं है'।

इस बीच, सूत्रों के मुताबिक, शहर के कुछ प्रभावशाली राजनीतिक नेताओं ने इस निर्माण को बचाने की पूरी कोशिश की। अलग-अलग लेवल से दबाव बनाने और सिफारिशें करने की कोशिशों की भी बात हुई। हालांकि, इस बार प्रशासन ने बिना किसी दबाव के नियमों के अनुसार कार्रवाई करने का फैसला किया।

रिक्शा चालकों के लिए मराठी भाषा की क्लास

उल्हासनगर. शिंदेसेना और रिक्शा संगठन ने सोमवार को अमराठी और हिंदी बोलने वाले रिक्शा चालकों और मालिकों के लिए 'मराठी भाषा ट्रेनिंग क्लास' शुरू करने के लिए एक मीटिंग की। शिंदेसेना के पदाधिकारियों का मुख्य मकसद उल्हासनगर में अमराठी रिक्शा चालकों के बीच मराठी भाषा के असरदार इस्तेमाल को बढ़ावा देने, बचाने और बढ़ाने के लिए रिक्शा चालकों के संगठन के साथ मीटिंग करना और उन्हें मराठी भाषा की ट्रेनिंग देना है। इस क्लास के ज़रिए अमराठी बोलने वाले रिक्शा चालकों को मराठी भाषा की बेसिक जानकारी दी जाएगी। शिंदेसेना के उप जिला प्रमुख अरुण आशान ने बताया कि रोज़मर्रा की ज़िंदगी में मराठी का इस्तेमाल आसान और सुविधाजनक तरीके से कैसे किया जाए, इस पर गाइडेंस दी जाएगी। इस मीटिंग को गाइड करने के लिए कोंकण मराठी साहित्य परिषद के डॉ. प्रदीप धवल, शिंदे सेना के जिला प्रमुख गोपाल लांडगे, उप जिला प्रमुख अरुण आशान, मेयर अश्विनी निकम, महानगर प्रमुख राजेंद्र चौधरी, शहर प्रमुख राजेंद्रसिंह भुल्लर महाराज मौजूद थे।

स्थायी समिति की बैठक से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया बाहर

■ पत्रकारों का दो घंटे धरना

कल्याण. केडीएमसी की स्थायी समिति की बैठक में इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के पत्रकारों को प्रवेश नहीं दिए जाने से बुधवार को विवाद खड़ा हो गया। बैठक की कवरेज के लिए पहुंचे पत्रकारों को सभागार के बाहर रोक दिया गया, जिसके विरोध में पत्रकारों ने महापालिका मुख्यालय में करीब दो घंटे तक धरना प्रदर्शन किया। स्थायी समिति की बैठक में केवल दैनिक समाचार पत्रों के प्रतिनिधियों को प्रवेश की अनुमति दी गई, जबकि इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के पत्रकारों को बाहर ही रोक दिया गया। उन्हें बताया गया कि बैठक समाप्त होने के बाद ही जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इस निर्णय से पत्रकारों में नाराजगी फैल गई।

पत्रकारों का कहना है कि अधिकृत मान्यता और नियमित पत्राचार होने के बावजूद उन्हें बैठक में प्रवेश नहीं दिया गया। उनका आरोप है कि स्थायी समिति के समक्ष रखे गए तीन महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी जनता तक न पहुंचे, इसलिए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को कवरेज से दूर रखा गया।

अनधिकृत होर्डिंग्स हटाओ वरना क्रिमिनल एक्शन होगा

■ अंबरनाथ नगर परिषद की चेतावनी

अंबरनाथ. मुंबई के घाटकोपर होर्डिंग हादसे के बाद अंबरनाथ नपा प्रशासन काफी सख्त हो गया है। अंबरनाथ नगर परिषद के चीफ ऑफिसर उमाकांत गायकवाड़ ने नोटिस जारी कर शहर में लगे सभी अनधिकृत होर्डिंग्स, अनाउंसमेंट बोर्ड, की-एक्सिस और फ्रेम को 48 घंटे के अंदर खुद हटाने का ऑर्डर दिया है। अगर यह डेडलाइन पूरी नहीं हुई तो नपा ने चेतावनी दी है कि संबंधित लोगों के खिलाफ सीधे क्रिमिनल केस किया जाएगा और प्रॉपर्टी पर कब्ज़ा कर लिया जाएगा।

■ घाटकोपर हादसे का संदर्भ और कोर्ट के आदेश

पहले के हाई कोर्ट में फाइल की गई पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन के मुताबिक, शहर में अनधिकृत एडवर्टाइजमेंट और होर्डिंग्स के खिलाफ एक्शन लेने के निर्देश हैं। उस मामले में, 13 मई, 2024 को मुंबई के घाटकोपर में एक बहुत बड़ा गैर-कानूनी एडवर्टाइजमेंट बोर्ड गिर गया था, जिससे बड़ी जान-माल का नुकसान हुआ था। अंबरनाथ शहर में बड़े पैमाने पर गैर-कानूनी होर्डिंग और बैनर फ्रेम भी लगाए गए हैं। मॉनसून के मौसम में, तेज़ हवाओं के कारण अक्सर होर्डिंग गिर जाते हैं। कई जगहों पर कुछ पैसों के लिए गैर-कानूनी फ्रेम लगाए गए हैं। इसलिए, अंबरनाथ शहर में ऐसी बुरी और जानलेवा घटनाओं से बचने के लिए नगर पालिका ने यह कदम उठाया है।

अंबरनाथ शहर की सीमा के अंदर किसी भी संगठन, राजनीतिक पार्टी, विज्ञापन एजेंसी, सामाजिक संगठन, डेवलपर (बिल्डर) या व्यक्ति द्वारा अनधिकृत होर्डिंग या लोहे के ढांचे लगाने पर उन्हें तुरंत हटाना ज़रूरी है। नगर पालिका ने साफ़ किया है कि अब से, अगर शहर में कहीं भी बिना इजाज़त के विज्ञापन बोर्ड, पोस्टर या झंडे लगे पाए गए, तो संबंधित व्यक्ति या संगठन के खिलाफ 'महाराष्ट्र डिफेसमेंट ऑफ़ प्रॉपर्टी प्रिवेंशन एक्ट, 1995' के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हादसों के लिए होर्डिंग मालिक होंगे ज़िम्मेदार

भविष्य में, अगर गैर-कानूनी या कमज़ोर होर्डिंग और फ्रेम की वजह से कोई हादसा होता है या जान का नुकसान होता है, तो पूरी कानूनी और फ़ाइनेंशियल ज़िम्मेदारी उन्हें लगाने वाली संस्थाओं या लोगों की तय की जाएगी। साथ ही, बिना इजाज़त वाले विज्ञापनों पर टैक्स वसूलने के लिए नगर पालिका सीधे उस ज़मीन या बिल्डिंग की प्रॉपर्टी पर टैक्स लगाएगी। मुख्यमंत्री के इस सीधे और सख़्त रुख़ ने अंबरनाथ में गैर-कानूनी होर्डिंग लगाने वालों का डर दूर कर दिया है, और अंबरनाथ के लोगों का ध्यान इस बात पर है कि अगले 48 घंटों में नगर पालिका का कार्रवाई अभियान शहर में कैसे लागू होता है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

आर्थिक विकास की रफ्तार

सरकार के तमाम दावों के बावजूद देश में आर्थिक विकास की रफ्तार धीमी पड़ती जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के बाद अब वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने भी वर्ष 2026-27 में देश की आर्थिक वृद्धि दर घटकर 6.6 फीसद रहने का अनुमान जताया है। जबकि वर्ष 2025-26 में यह 7.7 फीसद और उससे पहले 7.1 फीसद थी। इसी की बदौलत भारत की गिनती दुनिया में सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में की जा रही थी।

इन अनुमानों के पीछे कई कारण हैं। सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजी वैश्विक अस्थिरता है। इससे पूरी दुनिया में पैदा हुए ऊर्जा संकट का देश की अर्थव्यवस्था पर सीधा असर पड़ा है। वैश्विक आर्थिक सुस्ती का जोखिम भी सामने है। इसके अलावा अल-नीनो के प्रभाव से देश में मानसून कमजोर रहने की संभावना भी आर्थिक विकास की राह में बाधा उत्पन्न कर सकती है।

स्पष्ट है कि चुनौतियां कम नहीं हैं और ऐसे में सरकार को देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए प्रभावी एवं कारगर कदम उठाने होंगे। गौरतलब है कि पिछले दिनों भारतीय रिजर्व बैंक ने पश्चिम एशिया में संघर्ष से पैदा हुए संकट का हवाला देकर अपनी रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक वृद्धि दर घटकर 6.6 फीसद रहने का अनुमान जताया था। अब वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने भी इसकी पुष्टि कर दी है। इससे साफ है कि देश की आर्थिक वृद्धि दर सुस्त न पड़े, इसके लिए केंद्र और राज्यों सरकारों को हर मोर्चे पर तैयारी करनी होगी।

ऊर्जा संकट से बाहर निकलने के लिए तेल और गैस आयात के नए विकल्पों पर विचार करने के साथ इसके नए स्रोत तलाशने होंगे। भारत इस समय कच्चे तेल की जरूरत का करीब अट्ठासी फीसद हिस्सा आयात करता है। कच्चे तेल की लागत बढ़ने से पेट्रोल-डीजल के दामों में बढ़ोतरी का बोझ आम लोगों पर बढ़ रहा है। उत्पादन और परिवहन लागत बढ़ने से महंगाई भी बढ़ रही है। बारिश कम होने और उर्वरकों की कीमतें बढ़ने से कृषि उत्पादन पर भी असर पड़ेगा, नतीजा यह कि खाने-पीने चीजें और महंगी हो सकती है। इन सब परिस्थितियों के बीच अगर अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा, तो आर्थिक वृद्धि दर में सुस्ती को रोका पाना आसान नहीं होगा।

विमर्श

भारी पड़ेगा मानसून का रूठना

मानसून की महत्ता को इसी बात से समझ सकते हैं कि कहावतों में इसे 'भारत का वास्तविक वित्त मंत्री' कहा गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मानसून की मेहरबानी बहुत मायने रखती है। चूंकि मानसून एक मौसमी परिघटना है, इसलिए उसकी दशा-दिशा भी कई जलवायविक पहलुओं पर निर्भर करती है। ऐसा ही एक पहलू है अल नीनो। इस साल अल नीनो की आशंकाओं ने नीति-नियंताओं की चिंताएं बढ़ा दी हैं। यह बहुत स्वाभाविक भी है, क्योंकि कई प्रकार की अनिश्चितताओं से उपजी अस्थिरता में कमजोर मानसून वर्तमान स्थितियों को और बिगाड़ने का ही काम करेगा।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन यानी डब्ल्यूएमओ के अनुसार जून से अगस्त 2026 के बीच अल नीनो के सक्रिय होने की आशंका 80 प्रतिशत तक है, जो नवंबर तक 90 प्रतिशत तक हो सकती है। अमेरिकी मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि अल नीनो के वर्ष 2026-27 की पूरी सर्दियों तक बने रहने के 96 प्रतिशत तक आसार हैं, जबकि नवंबर से जनवरी के बीच इसके चरम रूप धारण करने की आशंका 63 प्रतिशत तक है। हालात यही संकेत करते हैं कि 1950 के बाद यह अल नीनो का सबसे प्रचंड असर होने जा रहा है। यह किसी मौसमी अनुमान से अधिक रोजगार, खाद्य सुरक्षा, महंगाई और आर्थिक विकास दर पर मंडराते संकट की एक पूर्व चेतावनी है। इसकी अनदेखी करना बहुत भारी पड़ सकता है।

अल नीनो के पीछे के विज्ञान को समझें तो गर्म पानी को पश्चिमी प्रशांत महासागर की ओर धकेलने वाली ट्रेड विंड्स कुछ वर्षों के अंतराल पर कमजोर पड़ जाती हैं। इस स्थिति में वह गर्म पानी वापस पूर्व की ओर फैलता जाता है, जिससे वायुमंडल में ऊष्मा का एक विशाल भंडार उत्सर्जित होता है। यही कारण है कि इतिहास के अब तक के सबसे गर्म साल आमतौर पर अल नीनो के वर्ष ही रहे हैं। पिछली बार वर्ष 2023-24 में इसके प्रचंड रूप ने ही वर्ष 2024 को वैश्विक तापमान के मामले में एक नया रिकार्ड बनाने की दिशा में उन्मुख किया था। यह गर्मी सिर्फ प्रशांत महासागर के ऊपर ही सिमटकर नहीं रहती। विज्ञान की भाषा में यह टेलीकनेक्शंस यानी दूरगामी मौसमी संबंधी परिघटना होती है, जो विश्व भर में वर्षा के रुझान को प्रभावित करती है। इसका एक निश्चित असर भारत में वर्षा के लिए प्रमुख रूप से उत्तरदायी मानसून पर पड़ता है। इससे न केवल मानसूनी वर्षा में देरी होती है, बल्कि उसकी मात्रा भी संकुचित हो जाती है। इस तरह एक दूरस्थ महासागर में घटित होने वाली परिघटना घरेलू समस्या का रूप धारण कर लेती है।

भारत को फसल उत्पादन और जल स्रोतों को दोबारा भरने के लिए जितने पानी की आवश्यकता होती है, उसके करीब 70 प्रतिशत हिस्से की पूर्ति मानसून से होती है। भारतीय मौसम विभाग ने पहले ही मानसूनी वर्षा के दीर्घकालिक औसत के 92 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो सामान्य से कम श्रेणी में आता है। कमजोर मानसून के व्यापक दुष्प्रभाव देखने को मिलते हैं। इससे गर्मी और विकराल रूप धारण कर लेती है, जिससे श्रमिकों की उत्पादकता एवं समग्र उत्पादन प्रभावित होता है। कम बारिश से फसल उत्पादन पर असर से किसान की आमदनी घटती है तो आपूर्ति तंग होने से महंगाई बढ़ती है। भारत दुनिया के उन देशों में से एक है, जहां महंगाई को मापने वाले सूचकांक में खाद्य उत्पादों की बड़ी भारी हिस्सेदारी (47.6 प्रतिशत) है। अप्रैल में पहले ही मुद्रास्फीति 4.2 प्रतिशत के स्तर पर पहंच चुकी थी और लगता है कि यह अभी और बढ़ सकती है।

मानसूनी वर्षा में कमी का सबसे बुरा असर देश के उपजाऊ मैदानी इलाकों पर पड़ता है। जून के मध्य तक इस हिस्से में पहले ही वर्षा में करीब 64 से 65 प्रतिशत तक की कमी देखी गई। इससे खरीफ की बोआई प्रभावित होती है। सिंचाई में मुश्किलों के साथ ही उसकी लागत भी बढ़ जाती है। केवल इस रुझान के चलते ही जीडीपी वृद्धि दर में 0.25 प्रतिशत तक की कमी की आशंका हो जाती है। अंतरराष्ट्रीय विज्ञान पत्रिका 'नेचर' में वर्ष 2023 में प्रकाशित एक अध्ययन ने इसके पीछे के एक बड़े नकारात्मक पहलू को रेखांकित किया कि इससे ऐसा नुकसान होता है कि बाद में हुई वर्षा भी उसकी भरपाई नहीं कर पाती और इसका चक्रीय प्रभाव करीब अगले तीन वर्षों तक देखा जाता है। इससे खाद्य उत्पादन में गिरावट से महंगाई दर में भी 0.5 से 0.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी के आसार बन जाते हैं।

आनंद, असीम ज्ञान, शक्ति, निडरता, खुशी, और शांति हमारी आत्मा के ख़ज़ाने हैं।
यदि हम सही स्थान पर खोज पायें, तो ये सभी हमें मिल जायेंगे।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

सार्वजनिक क्यों नहीं की गई SIT रिपोर्ट?

हिंदू समाज में मंदिर आस्था के केंद्र होते हैं, वहां लोग मानसिक शांति और सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। साथ ही वहां स्वेच्छा से धन या अन्य सामग्री दान करते हैं, ताकि उसका इस्तेमाल धार्मिक कार्यों में किया जा सके। श्रद्धालु इस विश्वास के साथ मंदिर में दान करते हैं कि इस राशि को खर्च करते वक्त पूरी पारदर्शिता बरती जाएगी। मगर इस दान राशि में ही अगर हेरफेर होने लगे, तो इसे लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ नहीं, तो और क्या कहा जाएगा।

मसला जब अयोध्या में राम मंदिर से जुड़ा हो, तो मामला और भी संवेदनशील एवं गंभीर हो जाता है। राज्य सरकार ने इस मामले की जांच के लिए विशेष दल (एसआइटी) गठित किया है, जिसने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट मुख्य सचिव (गृह) को सौंप दी है।

खबरों के मुताबिक, रिपोर्ट में दान राशि और कीमती सामान के प्रबंधन में कमियों का जिक्र करते हुए प्राथमिकी दर्ज करने की सिफारिश की गई है। इससे स्पष्ट है कि मंदिर के वित्तीय मामले में कुछ तो हेरफेर हुआ है, जिसकी गहन जांच की जरूरत है।

गौरतलब है कि प्रदेश सरकार ने राम मंदिर ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन और दान राशि से संबंधित आरोपों की जांच के लिए 13 जून को तीन सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया था। सरकार का दावा था कि एसआइटी की जांच में 'दूध का दूध और पानी का पानी' हो जाएगा।

अब एसआइटी ने अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है, मगर उसे सार्वजनिक नहीं किया गया है। जांच दल के अधिकारियों का कहना है कि यह गोपनीय रिपोर्ट है और इसे मीडिया से साझा नहीं किया जा सकता है। ऐसे में अब सरकार के दावों और उसकी मंशा पर भी सवाल उठने लगे हैं।

अगर जांच के दौरान मंदिर की दान राशि में किसी तरह की गड़बड़ी पाई गई है, तो उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा रहा है? जिन श्रद्धालुओं ने राम मंदिर में राशि या कीमती सामान दान किया है, क्या उन्हें यह जानने का हक नहीं है कि उसका इस्तेमाल कहां हुआ?

अगर मंदिर के वित्तीय प्रबंधन में किसी तरह का हेरफेर कर लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ होता है, तो इसके लिए जवाबदेही किसकी है?

अयोध्या स्थित राम मंदिर में हर साल देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने आते हैं और वहां करोड़ों रुपए का चढ़ावा चढ़ता है। ऐसे में दान राशि में गड़बड़ी से इस तीर्थ स्थल की छवि को भी नुकसान पहुंचेगा।

एक सवाल यह भी उठ रहा है कि अमूमन किसी मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद जांच प्रकिया शुरू की जाती है, लेकिन इस मामले में पहले जांच की गई और अब एसआइटी ने प्राथमिकी दर्ज करने की सिफारिश की है।

विपक्षी दलों का कहना है कि जब तब इस मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाती है, तब तक कोई भी जांच बिना तीर के कमान जैसी है। ऐसे में एसआइटी न तो किसी आरोपी को पूछताछ के लिए समन भेज सकती है और न ही किसी को गिरफ्तार कर सकती है।

इसके अलावा इस बात को लेकर भी संदेह जताया जा रहा है कि मौजूदा जांच निचले स्तर के कर्मियों पर केंद्रित है, जबकि राम मंदिर में उच्चस्तर पर जिम्मेदारी संभालने वालों को इससे अलग रखा गया है।

बहरहाल, सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इस मामले की निष्पक्ष और गहराई से जांच हो, ताकि सभी दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जा सके।

दाने के साथ कंकड़-पत्थर क्यों चुगती है चिड़िया?

जरा हट के

आज तक हर कोई यह सोचता है कि चिड़ियां सिर्फ दाना, चावल, अनाज और कीड़े-मकोड़े खाती हैं. लेकिन अगर आप ध्यान से देखें तो अक्सर चिड़ियां छोटे-छोटे कंकड़, बजरी और पत्थर भी चुग लेती हैं. क्या ये उनका पागलपन है? या फिर प्रकृति ने उन्हें कोई खास तंत्र दिया है? ये सवाल ज्यादातर लोगों के मन में उठता है, लेकिन इसका जवाब

बेहद रोचक और वैज्ञानिक है.

चिड़ियों के मुंह में दांत नहीं होते. मनुष्यों और अन्य जानवरों की तरह वे अपना भोजन चबाकर नहीं खा सकती. इसलिए प्रकृति ने उनके शरीर में एक खास अंग विकसित किया है, जिसे गिट्ज़र्ड (Gizzard) कहते हैं. यह उनके पेट का एक मज़बूत हिस्सा है जो चक्की की तरह काम करता है. लेकिन चक्की को चलाने के लिए पत्थरों की जरूरत पड़ती है. जब चिड़ियां दाना चुगती है तो उसके साथ छोटे कंकड़ भी निगल लेती है. ये कंकड़ गिट्ज़र्ड में जाकर दानों को रगड़कर बारीक पीस देते हैं. इससे भोजन आसानी से पच जाता है और चिड़िया को पोषण मिलता है. वैज्ञानिकों के अनुसार यह प्रक्रिया इतनी प्रभावी है कि कई चिड़ियां बिना पत्थर के ज्यादा समय तक जीवित नहीं रह सकती.

कैसे काम करता है यह सिस्टम?

चिड़ियां का पेट दो हिस्सों में बंटा होता है. पहला भाग प्रोवेन्ट्रिकुलस कहलाता है, जहां भोजन रासायनिक रूप से टूटता है. दूसरा भाग गिट्ज़र्ड होता है, जो मांसपेशियों से बना होता है. यहां पत्थर भोजन को यांत्रिक रूप से कुचलते हैं. मुर्गी, कबूतर, तोता, गौरैया समेत लगभग 90% से ज्यादा चिड़ियां इस तरीके से भोजन पचाती हैं.

क्या ज्यादा पत्थर खा लेने से खतरा है?

जी हां, अगर चिड़ियां बहुत ज्यादा पत्थर निगल ले तो गिट्ज़र्ड ब्लॉक हो सकता है, जिससे भोजन पच नहीं पाता और चिड़िया की मौत हो जाती है. इसलिए चिड़ियां अपनी जरूरत के हिसाब से ही सही मात्रा में कंकड़ चुगती है. खासकर सर्दियों में जब भोजन कम होता है, वे ज्यादा पत्थर चुगने की कोशिश करती हैं.

खाना-खजाना

मूंग दाल कटलेट

सामग्री

- मूंग दालः 1 कप
- प्याजः 1 (बारीक कटा हुआ)
- हरी मिर्चः 2-3
- अदरकः 1 इंच का टुकड़ा
- ब्रेड क्रम्ब्स या चावल का आटाः आधा कप
- हरा धनियाः 2 बड़े चम्मच
- मसालेः आधा चम्मच भुना जीरा पाउडर, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, आधा चम्मच चाट मसाला और नमक स्वादानुसार
- तेलः कटलेट सेंकने या तलने के लिए

बनाने की विधि

सबसे पहले भीगी हुई मूंग दाल का सारा पानी अच्छे से निकाल लें। अब इसे मिक्सी के जार में डालें और बिना पानी मिलाए हल्का दरदरा पीस लें। ध्यान रहे, इसका एकदम बारीक पेस्ट नहीं बनाना है, वरना आपके कटलेट क्रिस्पी नहीं बनेंगे। अब इस पिसी हुई दाल को एक बड़े बर्तन में निकाल लें। इसमें बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, कद्दूकस किया अदरक, हरा धनिया और सभी सूखे मसाले (जीरा पाउडर, लाल मिर्च, चाट मसाला

और नमक) डाल दें। मिश्रण को एक साथ बांधने और अच्छा कुरकुरापन देने के लिए इसमें ब्रेड क्रम्ब्स या चावल का आटा डालें। अब हाथों की मदद से सारी चीजों को अच्छी तरह मिक्स कर लें, जैसे आटा गूंथते हैं। अब अपनी दोनों हथेलियों पर हल्का सा तेल लगा लें ताकि मिश्रण चिपके नहीं। इस मिश्रण का थोड़ा-थोड़ा हिस्सा हाथ में लें और उसे अपनी मनपसंद शेप देकर कटलेट तैयार कर लें। गैस पर एक नॉन-स्टिक पैन या तवा रखें और उसमें 2-3 चम्मच तेल डालकर गरम करें। जब तेल गरम हो जाए, तो कटलेट्स को तवे पर रखें और दोनों तरफ से सुनहरा और क्रिस्पी होने तक धीमी से मध्यम आंच पर सेंक लें। अगर आप डाइट पर हैं और बिल्कुल भी तेल नहीं खाना चाहते, तो आप इन कटलेट्स को 'एयर फ्रायर' में या ओवन में बेक करके भी बना सकते हैं।

बस फिर, तैयार हो जाएंगे आपके गरमा-गरम और सुपर हेल्दी मूंग दाल कटलेट। इन्हें पुदीने की तीखी हरी चटनी या मीठे टोमेटो केचप के साथ गरमागरम परोसें।

आज का राशिफल

मेष : व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। लाभ के मौके बार-बार प्राप्त होंगे। विवेक का प्रयोग करें। बेकार बातों में समय नष्ट न करें। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में तरक्की के योग हैं। व्यापार की गति बढ़ेगी। लाभ में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ : कोई बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। किसी विशेष क्षेत्र में सामाजिक कार्य करने की इच्छा रहेगी। प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

मिथुन : व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लाभ में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कोर्ट व कचहरी के अटके कामों में अनुकूलता आएगी।

कर्क : जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐसा कोई कार्य न करें जिससे बाद में पछताना पड़े। जोखिम न लें। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे।

सिंह : व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा। सभी काम पूर्ण होंगे। जल्दबाजी न करें। कोर्ट व कचहरी में लंबित कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या : संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। झंझटों से दूर रहें। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। रोजगार में वृद्धि तथा बेरोजगारी दूर होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

तुला : विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। प्रमाद न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी।

वृश्चिक : प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। बेवजह विवाद की स्थिति बन सकती है। दूसरों के उकसाने में न आकर महत्वपूर्ण निर्णय स्वयं लें, लाभ होगा।

धनु : कुंआरों को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। प्रमाद न करें। जल्दबाजी में कोई काम न करें। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

मकर : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में मनोनुकूल लाभ होगा। प्रमाद न करें। किसी भी निर्णय को लेने में जल्दबाजी न करें। भ्रम की स्थिति बन सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। थकान महसूस होगी।

कुंभ : घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। बेरोजगारी दूर होगी। अचानक कहीं से लाभ के आसार नजर आ सकते हैं। किसी बड़ी समस्या से निजात मिलेगी। निवेश व नौकरी मनोनुकूल लाभ देंगे। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

मीन : आज किसी से भी मजाक न करें, वर्ना मामला गड़बड़ हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। अकारण क्रोध होगा। फालतू खर्च होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। जोखिम न लें। आंखों को चोट व रोग से बचाएं। कीमती वस्तु गुम हो सकती है।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

फ्रिज के पीछे लगी जाली हो गई है गंदी?

आपके घर में फ्रिज होगा तो आपने देखा होगा कि उसके पीछे की तरफ एक काली रंग की जाली सी लगी होती है. ये धातु की होती है, जिसे कंडेंसर कॉइल कहते हैं. मुख्य रूप से ये सिंगल डोर फ्रिज में लगी होती है. पुराने जमाने में बनने वाली फ्रिज में ये जाली अधिक नजर आती थी. ये काली जाली फ्रिज की कार्यक्षमता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. जब आप इसकी सफाई महीनों नहीं करते हैं तो इस पर जाले, धूल-गंदगी जमा हो जाती है. इससे फ्रिज को ठंडा रखने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है. ऐसे में आपका बिजली बिल भी बढ़ सकता है. फ्रिज के जल्दी खराब होने की संभावना भी बढ़ जाती है. धूल-गंदगी जमने पर गर्मी का निष्कासन सही तरीके से नहीं हो पाता है.

कितनी बार फ्रिज की जाली करें साफ?

- यदि आपके घर के आसपास या अंदर धूल-गंदगी उतनी नहीं होती है, तो आप जाली को 3 से 6 महीने में एक बार साफ कर सकते हैं.
- घर में पेट्स जैसे कुत्ते, बिल्ली हैं, धूल भी अधिक रहती है तो प्रत्येक 2 से 3 महीने में सफाई करें.
- साल भर में लगभग 3-4 बार इसकी अच्छी तरह से सफाई करना जरूरी समझा गया है.

फ्रिज की जाली की सफाई क्यों है जरूरी?

1. जब आप फ्रिज के पीछे लगी जाली की सफाई करते हैं तो इससे बिजली की खपत कम होती है. आपका बिल भी कम आएगा.
2. जब फ्रिज के पीछे लगी काली जाली को साफ रखते हैं तो इससे फ्रिज के अदर कूलिंग बेहतर तरीके से होती रहती है. कॉइल क्लीन होने से फ्रिज के अंदर की गर्मी बाहर आती है और अंदर वातावरण ठंडा बना रहता है.
3. जाली की सफाई रेगुलर करते रहने से फ्रिज के कंप्रेसर पर अधिक दबाव नहीं पड़ता है,

इससे फ्रिज जल्दी खराब नहीं होती है. गंदगी होने से फ्रिज का कंप्रेसर ओवरहीट होता है, जिससे तकनीकी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं.

फ्रिज की जाली की सफाई करने का सही तरीका

सबसे पहले आप प्लग को स्विच बोर्ड से निकाल दें. इससे आपको करेंट लगने का रिस्क नहीं रहता है. आप किसी सूखे साफ कपड़े या फिर सॉफ्ट ब्रेश से जाली को साफ करें. यदि आपके घर में वैक्यूम क्लीनर है तो इसे भी साफ करने के लिए यूज कर सकते हैं. आप जाली को साफ करने के लिए माइक्रोफाइबर कपड़े का इस्तेमाल कर सकते हैं.

देसी गाय के दूध में छिपा है सेहत का खजाना

गाय हमारी माता है... ये हम बचपन से सुनते आए हैं. पर आपको पता है कि गाय के दूध से कितनी भयानक बीमारियां दूर हो सकती हैं? देसी गाय का दूध कैंसर रोगियों के लिए बहुत ही रामबाण साबित होता है. गोमूत्र और गाय का गोबर भी बेहद लाभदायक माना गया है. विटामिन ए कैंसर जैसे घातक बीमारी को खत्म करने में कारगर साबित होते हैं.

कैंसर से दिलाएगा मुक्ति

प्राचीन समय से ही गाय को पूज्यनीय माना गया है. वह भगवान श्री कृष्ण की प्यारी रही है. माना जाता है कि 33 कोटी देवी देवता गाय में वास करते हैं. गाय को मां का दर्जा भी दिया गया है. यह मां अपने बच्चों की रखवाली जिस तरह से करती है और कोई भी नहीं कर सकता. शास्त्रों के अनुसार गाय पूजनीय होने के साथ-साथ गाय से मिलने वाला दूध, गोमूत्र और गाय का गोबर बेहद ही लाभदायक होता है. लोग गोमूत्र का सेवन भी करते हुए आपको दिखाई दे भी जाएंगे. साथ ही गाय का गोबर जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण गाय का दूध भी है.

कहा जाता है गाय का गोबर अगर घर की लिपाई के लिए लगाया जाए, तो वह ऊष्मा रोधी है. प्राचीन समय में गाय के गोबर से ही जो घर लीपे पर जाते थे. वह ठंडक से भरे हुए रहते थे. अब बात करें गाय की दूध की. देसी गाय का दूध लोगों के लिए वरदान साबित हो रहा है. मगर, लोगों के अंदर अज्ञानता होने के कारण गाय माता इधर-उधर भटक रही है. लोग गायों के पालन पोषण में भी पीछे रहे हैं.

देसी गाय का दूध लोगों के लिए कैंसर सेल खत्म करने का कार्य करता है. मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी (CVO) डॉ. नरेंद्र नारायण शुक्ला ने बताया कि गाय पूजनीय होने के साथ-साथ उनसे निकलने वाले दूध, गोबर और गोमूत्र में विशेष प्रकार की विटामिन ए होती हैं. विटामिन ए दूध में होने के कारण शास्त्रों में भी और वैज्ञानिकों की शोध में भी यह पता चला है की देसी गाय का दूध का अगर कोई रोजाना पीता है तो उसके कैंसर सेल खत्म हो जाते हैं. कैंसर से मुक्ति मिल जाती है. लोग कैंसर की दवाई खाते हैं, लेकिन बाद में उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ता है.

देसी गाय का दूध ही एक ऐसा दूध है, जो कैंसर खत्म करता है. साथ ही उन्होंने बताया कि गोमूत्र और गोबर भी बेहद लाभदायक मनुष्य के लिए है. गाय का दूध और मूत्र एंटीबैक्टीरियल है. देसी गाय का गोबर एंटी रेडिएशन है. गाय हरे चारे का अधिक सेवन करती है.

सेहत का खजाना है बेला का फूल

बेला का फूल अपनी मनमोहक खुशबू के लिए जाना जाता है. मंदिरों में पूजा-पाठ से लेकर घरों की सजावट तक इसका उपयोग किया जाता है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि बेला का फूल सिर्फ सुगंध ही नहीं देता, बल्कि इसमें कई औषधीय गुण भी पाए जाते हैं. आयुर्वेद में बेला के फूल और पत्तियों का उपयोग कई स्वास्थ्य समस्याओं में किया जाता है.

लौटाएगा नींद, सिरदर्द छूमंतर...

वैद्य जमुना प्रसाद यादव ने बताया कि के फूल में ऐसे प्राकृतिक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को शांति देने और कई छोटी-बड़ी परेशानियों से राहत दिलाने में मदद करते हैं. इसकी खुशबू मन को सुकून देती है और तनाव कम करने में सहायक मानी जाती है.

वैद्य जमुना प्रसाद यादव के अनुसार, बेला के फूल की सुगंध मन को शांति प्रदान करती है. इसकी खुशबू मानसिक तनाव, चिंता और थकान को कम करने में मदद कर सकती है. कई लोग बेला के फूल को अपने कमरे में रखते हैं, जिससे वातावरण सुगंधित बना रहता है और मन को सुकून मिलता है. यही कारण है कि बेला के फूल का उपयोग अरोमा थेरेपी में भी किया जाता है.

आजकल भागदौड़ भरी जिंदगी और तनाव के कारण बहुत से लोग नींद न आने की समस्या से परेशान रहते हैं. ऐसे में बेला के फूल की सुगंध मन को शांत करने का काम करती है. माना जाता है कि इसकी महक से शरीर और दिमाग को आराम मिलता है, जिससे नींद बेहतर हो सकती है. हालांकि गंभीर समस्या होने पर डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है. पारंपरिक चिकित्सा में बेला के फूल का उपयोग सिरदर्द की समस्या में भी किया जाता रहा है. इसकी सुगंध लेने से मानसिक तनाव कम होता है, जिससे सिरदर्द में राहत मिल सकती है. कई ग्रामीण क्षेत्रों में लोग बेला के फूल को सिरहाने रखकर आराम महसूस करते हैं.

बेला के फूल में प्राकृतिक गुण पाए जाते हैं, जो त्वचा की देखभाल में सहायक माने जाते हैं. कुछ आयुर्वेदिक उत्पादों और हर्बल सौंदर्य प्रसाधनों में बेला के अर्क का उपयोग किया जाता है. माना जाता है कि यह त्वचा को ताजगी देने और उसकी प्राकृतिक चमक बनाए रखने में मदद कर सकता है.

गर्मियों के मौसम में बेला का फूल शरीर को ठंडक देने वाला माना जाता है. इसकी

सुगंध वातावरण को ताजगी देती है और गर्मी के कारण होने वाली बेचैनी को कम करने में मदद कर सकती है. यही वजह है कि गर्मी के दिनों में बेला के फूल की मांग काफी बढ़ जाती है.

बेला के फूल की खुशबू इतनी आकर्षक होती है कि इसका उपयोग इत्र और सुगंधित तेल बनाने में भी किया जाता है. बाजार में मिलने वाले कई प्राकृतिक परफ्यूम और अगरबत्तियों में बेला की सुगंध का इस्तेमाल किया जाता है. इसकी महक लंबे समय तक बनी रहती है, इसलिए लोग इसे काफी पसंद करते हैं.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बड़े भाई की छोटे ने धारदार हथियार से हत्या की, लोगों ने घेरा तो फायरिंग करके भागा;

बिजनौर. बिजनौर जिले के शहर कोतवाली क्षेत्र स्थित गांव बेगावाला में पारिवारिक विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। आपसी मनमुटाव के चलते छोटे भाई ने अपने बड़े भाई पर धारदार हथियार से हमला कर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी ने कथित रूप से फायरिंग भी की और मौके से फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार गांव बेगावाला निवासी सलीम (30) पुत्र हनीफ और उसके छोटे भाई नदीम (28) के बीच काफी समय से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। बताया जाता है कि बुधवार सुबह दोनों भाइयों की पत्नियों के बीच भी कहासुनी हो गई थी। इस विवाद के बाद दोनों परिवारों के बीच माहौल और अधिक तनावपूर्ण हो गया था।

ब्लैकमेलिंग से परेशान प्रेमी ने सुसाइड किया

मेरठ. मेरठ के सरधना थाना क्षेत्र में बुधवार देर शाम एक युवक का गोली लगा शव मिलने से सनसनी फैल गई। युवक की पहचान मोहल्ला जोगियान निवासी 23 वर्षीय साकिब पुत्र सैफुद्दीन के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में मामला संदिग्ध नजर आया, लेकिन परिजनों ने खुलासा करते हुए आरोप लगाया कि प्रेमिका और उसके परिजनों द्वारा कथित ब्लैकमेलिंग तथा मुकदमे में समझौते के लिए रुपये मांगने के दबाव के कारण साकिब ने आत्महत्या जैसा कदम उठाया। जानकारी के अनुसार साकिब बुधवार शाम घर से निकला था। रात करीब नौ बजे उसका शव सरधना-अटेरना मार्ग पर नंगला आर्डर गांव के पास लहूलुहान हालत में पड़ा मिला। उसके सीने में गोली लगी हुई थी।

भाई को बचाने में दो सगी बहनें सरयू में समाईं, लड़के को बाहर निकाल चुकी थी बड़ी बहन

मऊ. यूपी के मऊ में दो बहनों ने अपने भाई को बचाने के चक्कर में अपनी जान गंवा दी। लेकिन, इससे पहले उन्होंने अपने भाई को बचा लिया। सरयू में डूबते भाई को बहन ने बाहर निकाल दिया लेकिन खुद को नहीं बचा पाई। उसी बहन को बचाने में कूदी दूसरी बहन भी नदी में समा गई। दोनों की तलाश जारी है। मधुबन क्षेत्र में बुधवार को सरयू नदी में स्नान के दौरान दस वर्षीय छोटे भाई को बचाने में दो सगी बहनें डूब गईं। देर शाम तक दोनों की तलाश जारी थी। गजियापुर निवासी किसान रामविलास यादव बुधवार सुबह साढ़े नौ बजे गांव के कुछ लोगों के साथ एकादशी पर सरयू नदी में स्नान करने के लिए आए थे। रामविलास का 10 वर्षीय बेटा निर्भय यादव नदी में स्नान के दौरान डूबने लगा। छोटे भाई को डूबता देख बड़ी बहन 20 वर्षीय प्रियांशु नदी में कूदी और उसे धक्का देकर किसी तरह उसको किनारे पहुंचाया, लेकिन वह खुद गहरे पानी में जाने से डूबने लगी। इस बीच बड़ी बहन को नदी में डूबता देख उसे बचाने के लिए उसकी छोटी बहन 12 वर्षीय प्रतिज्ञा भी नदी में कूद गई। देखते ही देखते दोनों बहनें नदी के गहरे पानी में समा गईं। इस दौरान स्थानीय गोताखोर दोनों को बचाने के प्रयास में जुट गए, लेकिन सफलता नहीं मिली।

खेत में गोबर फेंकने गई किशोरी रहस्यमय ढंग से लापता, पुलिस तलाश में जुटी

बलरामपुर. यूपी के कोतवाली देहात क्षेत्र के एक गांव से 14 वर्षीय किशोरी के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है।

बताया गया कि 23 जून की दोपहर करीब एक बजे किशोरी घर से खेत में गोबर फेंकने के लिए निकली थी। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब वह वापस नहीं लौटी तो परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने पहले अपने स्तर पर गांव और आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन की तथा रिश्तेदारों और परिचितों से भी संपर्क किया, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। परिजनों के अनुसार, किशोरी अपने साथ एक मोबाइल फोन भी लेकर गई थी। काफी तलाश के बाद भी कोई सुराग न मिलने पर मामले की सूचना कोतवाली देहात पुलिस को दी गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर गुमशुदगी और अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोहर्रम के जुलूस में हमले का प्रदर्शन

उज्जैन के बड़नगर में क्रेन पर वैन लटकाई और विस्फोट से उड़ा दिया

लिखा- ले फिर आ गए

आयोजक, क्रेन मालिक सहित 4 पर FIR

उज्जैन. उज्जैन के पास बड़नगर में मोहर्रम के जुलूस के दौरान एक वैन (टाटा मैजिक) में किए गए विस्फोट का वीडियो सामने आया है। घटना 23 जून की रात की बताई जा रही है। बड़नगर के अडान मोहल्ले से निकले जुलूस में बड़ी संख्या में लोग शामिल थे। जुलूस में एक वैन को क्रेन की मदद से करीब 40 फीट ऊंचाई पर लटकाया गया। वैन पर दो युवक खड़े होकर लाल झंडे लहराते रहे। इसके बाद वैन में विस्फोट कर उसे उड़ा दिया गया। जिस वैन में ब्लास्ट किया गया, उस पर 'ले फिर आ गए' लिखा था।

'परवेज एडिट्स_2.0' पर वीडियो शेयर किए थे

एक इंस्टाग्राम आईडी 'परवेज एडिट्स_2.0' पर इस घटना के वीडियो शेयर किए गए थे। वीडियो में कार में विस्फोट के अलावा युवकों के अलग-अलग प्रदर्शन भी दिखाई दे रहे हैं। कुछ वीडियो में अलग-अलग तरह के विस्फोट नजर आते हैं। वहीं, हुसैनी अखाड़ा शाहजलालपुरा के कार्यक्रम में भी एक युवक को लटकाकर कई तरह के प्रदर्शन किए गए।

उज्जैन के एडिशनल एसपी करनदीप सिंह ने बताया कि अड़ान मोहल्ले में जेसीबी से गाड़ी को ब्लास्ट करने के मामले में 4 लोगों (आयोजक शोएब खान, गाड़ी पर झंडे लहरा रहे तालीम खान और जाहिद खान, क्रेन मालिक गोपाल माली) के खिलाफ बीएनएस की धारा 125, 285, 286, 287 के तहत केस दर्ज किया गया है। जल्द ही चारों को गिरफ्तार किया जाएगा।

जुलूस की अनुमति थी, विस्फोटक की नहीं

एएसपी ने बताया कि जुलूस की अनुमति दी गई थी, लेकिन विस्फोटक की कोई परमिशन नहीं थी। कार में विस्फोट करना गैर कानूनी है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि यहां अखाड़ों का आपस में कॉम्प्टिशन चलता है। ज्यादा से ज्यादा जनता को अट्रैक्ट और व्यूज पाने के लिए ऐसा काम करते हैं।

कई रॉकेट को एक साथ चलाया

एएसपी के मुताबिक- इसमें दीपावली पर यूज होने वाले रॉकेट्स का इस्तेमाल किया गया है। कई रॉकेट्स को एक साथ चलाया गया था। गाड़ी के कांच बंद होने से अंदर बनी गैस का प्रेशर बहुत बढ़ गया था। बाद में वही गैस कांच तोड़ बाहर निकली है। इसी वजह से विजुअल में ब्लास्ट जैसा दिख रहा है।

शिवानंद गिरि बोले- ऐसा करने की इजाजत कैसे मिली

वीडियो वायरल होने के बाद हरिद्वार के संत स्वामी शिवानंद गिरि ने इस पर आपत्ति जताई। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि ऐसा लगता है जैसे संदेश दिया जा रहा हो कि 'हम काफिरों की गाड़ियों को इसी तरह उड़ा देंगे।'

इधर, हिंदू जागरण मंच के रितेश माहेश्वरी ने बताया कि मोहर्रम के जुलूस के दौरान एक बड़ी क्रेन पर एक वैन लटकाई गई थी, जिस पर कई आपत्तिजनक पोस्टर लगाए गए थे। उन्होंने कहा कि सकल हिंदू समाज की मांग है कि जिला प्रशासन स्पष्ट करे कि इस तरह की गतिविधि की अनुमति दी गई थी या नहीं। इस घटनाक्रम से जुड़े कई फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर भी अपलोड किए गए हैं।

7.1 और 7.5 तीव्रता का महाभूकंप

60 सेकेंड में दो भूकंप, वेनेजुएला की राजधानी मलबे में तब्दील

- घर-इमारतें जमींदोज
- अस्पताल तबाह हुए
- सड़कों पर ही घायलों का इलाज

वेनेजुएला. लैटिन अमेरिकी देश वेनेजुएला एक मुश्किल दौर से गुजर रहा है। एक के बाद एक आए दो विनाशकारी भूकंपों ने पूरे देश को दहला दिया है। इसे हादसे को वैज्ञानिक 'डबल सिस्मिक इवेंट' कह रहे हैं। पहला झटका 7.1 और इसके ठीक एक मिनट बाद 7.5 तीव्रता का महाभूकंप आया। वेनेजुएला के इतिहास में पिछले 126 वर्षों का यह सबसे शक्तिशाली और भीषण भूकंप है जिसने काराकास सहित कई बड़े शहरों में तबाही के खौफनाक मंजर पैदा कर दिए हैं। काराकास वेनेजुएला की राजधानी है।

अमेरिकी जांच एजेंसी USGS ने आशंका जताई है कि इस भीषण आपदा में 10,000 से लेकर 1 लाख तक लोग अपनी जान गंवा सकते हैं। इसकी वजह से वेनेजुएला ने 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है। राजधानी काराकास की चकाओ और अल्तामिरा जैसे रिहायशी इलाकों में कई बहुमंजिला इमारतें ताश के पत्तों की तरह जमींदोज हो चुकी हैं। देश का सबसे बड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के बाद बंद कर दिया गया है।वेनेजुएला में दो ताकतवर भूकंप से तबाही मच गई है। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में बुधवार शाम 6.04 बजे 7.2 और 6.05 बजे 7.5 तीव्रता के दो झटके आए। उस समय भारत में गुरुवार तड़के 3.34 और 3.35 बजे थे।

ये भूकंप ऐसे दिन आए, जब पूरे देश में राष्ट्रीय अवकाश था। 1821 में स्पेन के खिलाफ आजादी की लड़ाई की ऐतिहासिक जीत की सालगिरह पर स्कूल और दफ्तर बंद थे। इसी वजह से ज्यादातर लोग अपने घरों में मौजूद थे।

अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप से 10 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की 44% आशंका है। वहीं, 30% आशंका एक लाख लोगों के जान गंवाने की भी है। अब तक 32 मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 700 से ज्यादा घायल हैं। 20 ऑफ्टरशॉक भी दर्ज किए गए हैं। दोनों भूकंप राजधानी कराकस से करीब 290 किलोमीटर पश्चिम में आए। इससे कई शहरों में इमारतें गिर गईं या खतरनाक तरीके से झुक गईं। कराकस एयरपोर्ट की छत का कुछ हिस्सा गिर गया। इससे धूल का गुबार उठता दिखाई दिया।

126 साल में सबसे बड़ा भूकंप, देश में इमरजेंसी

वेनेजुएला में यह पिछले 126 साल का सबसे बड़ा भूकंप है, इससे पहले 1900 में 7.7 का तीव्रता का भूकंप आया था। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया।

NCERT के सिलेबस में इमरजेंसी सेक्शन शामिल

- कक्षा 9वीं को पढ़ाया जाएगा
- इलेक्शंस चैप्टर में चुनाव आयोग की भी तारीफ

नई दिल्ली. NCERT यानी नेशनल काउंसिल फॉर एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग ने पहली बार कक्षा 9 की सामाजिक विज्ञान की किताब में 1975-77 की इमरजेंसी को शामिल किया है। नई किताब 'अंडरस्टैंडिंग सोसाइटीः इंडिया एंड बियॉन्ड' में इमरजेंसी को भारतीय लोकतंत्र के सामने आई सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताया गया है।

ANI की रिपोर्ट के मुताबिक, NCERT के एक अधिकारी ने पुष्टि की है कि कक्षा 9 की किताब में पहली बार इमरजेंसी पर अलग सेक्शन जोड़ा गया है। इसके अलावा 'अंडरस्टैंडिंग सोसाइटीः इंडिया एंड बियॉन्ड- पार्ट 1' के 'इलेक्शंस' चैप्टर में चुनाव आयोग की तारीफ की गई है।

किताब में लिखा- इंदिरा सरकार के खिलाफ लोगों में नाराजगी बढ़ी

किताब में लिखा गया है कि 1970 के दशक की शुरुआत में इंदिरा गांधी सरकार के खिलाफ लोगों में नाराजगी बढ़ रही थी। बेरोजगारी, महंगाई और कुप्रबंधन के आरोपों के कारण कई जगह विरोध प्रदर्शन हुए। इसके बाद जून 1975 में आंतरिक अशांति के आधार पर राष्ट्रीय इमरजेंसी लागू की गई। किताब के अनुसार, इस दौरान अधिकांश मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए, प्रेस पर सेंसरशिप लगाई गई और कई राजनीतिक नेताओं व कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। पुस्तक में कहा गया है कि इस दौर में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव बढ़ा और लोगों की स्वतंत्रता सीमित हो गई।

कोलकाता गोदाम हादसे में मौतों का आंकड़ा 10 पहुंचा

कोलकाता. कोलकाता के तारातला इलाके में निर्माणाधीन गोदाम ढहने के हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। हादसे के दूसरे दिन भी मलबे में फंसे लोगों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान जारी है। सेना ने सर्च ऑपरेशन में अत्याधुनिक ग्राउंड-पेनेट्रेटिंग रडार (GPR) सिस्टम भी तैनात किया है। गुरुवार सुबह मलबे से पांच और लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके साथ ही अब तक मलबे से निकाले गए लोगों की कुल संख्या 30 हो गई है। इनमें 2 आईसीयू में है। अन्य 18 की हालत खतरे से बाहर है। अधिकारियों के मुताबिक, हादसे के करीब 26 घंटे बाद भी सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, कोलकाता पुलिस, दमकल विभाग, सिविल डिफेंस और अन्य एजेंसियां संयुक्त रूप से मलबा हटाने और फंसे लोगों की तलाश में जुटी हैं।

कॉफी डेट पर सिया-चेतन ने केतन का मर्डर प्लान किया

पुणे. पुणे मंगेतर मर्डर केस में नया वीडियो सामने आया है। केतन की हत्या के एक दिन पहले 17 जून को सिया अपने प्रेमी चेतन चौधरी से एक फैके में मिली थी।

पुलिस के मुताबिक 31 मई को सिया और मंगेतर केतन लोहगढ़ किले गए थे। वहां केतन एक खतरनाक जगह बैठा था। तभी सिया को उसे मारने का आइडिया आया।

14 जून को भी केतन को धक्का देने की कोशिश की गई थी। उस समय सिया ने सांप दिखने का बहाना बनाकर घटना को हादसा बताने की कोशिश की थी, लेकिन केतन बच गया था।

इसके बाद सिया ने प्रेमी चेतन के साथ एक कैफे में मुलाकात की। वहां दोनों ने लोहगढ़ किले पर केतन को खाई में धक्का देने की

योजना पर चर्चा की थी।

दोनों ने वह पॉइंट भी ढूंढ लिया, जहां से केतन को धक्का देना था। यदि केतन इससे भी बच जाता तो 20 जून के बाद सड़क हादसे में मारने का बैकअप प्लान तैयार था।

सिया और चेतन का आमने-सामने बिठाकर पूछताछ

केतन मर्डर केस में उसकी मंगेतर सिया और सिया के लवर चेतन को 7 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा गया है। पुलिस के मुताबिक बुधवार देर रात दोनों से आमने-सामने बिठाकर पूछताछ की गई।

पुणे पुलिस ने चेतन की दुकान में काम करने वाले शख्स नीरज को भी हिरासत में लिया है। उससे भी पूछताछ की जाएगी। पुलिस के मुताबिक, चेतन वारदात वाले दिन (18 जून) को नीरज का फोन लोहगढ़ किले ले गया था।

शक है कि चेतन ने इसी फोन से सिया से कई बार संपर्क किया होगा। नीरज पिछले 3 साल से चेतन के साथ काम कर रहा था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुणे ग्रामीण पुलिस की पूछताछ में सिया ने बताया कि उसने केतन से कहा था कि वह यह रिश्ता जारी नहीं रखना चाहती। शादी से भी इनकार किया था। लेकिन केतन ने उसकी बात नहीं मानी और शादी की तैयारियों में जुट गया।

इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे में वैभव सूर्यवंशी को अलग चेंजिंग रूम मिलेगा

- परिवार भी होटल में साथ रहेगा
- ICC की चाइल्ड सेफगार्डिंग पॉलिसी के कारण फैसला

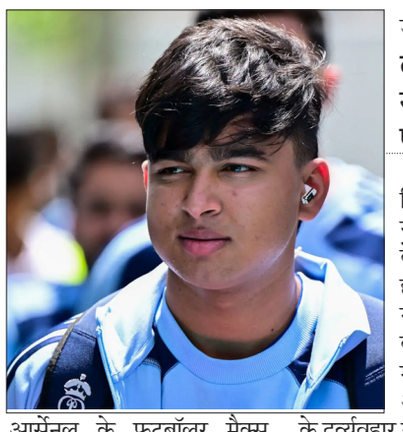

15 साल के क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे पर अलग चेंजिंग रूम मिलेगा। ECB के अधिकारी ने ब्रिटिश अखबार द गार्डियन को बताया कि उनकी फैमिली भी टीम होटल में उनके साथ ही रहेगी। हालांकि, वैभव मैचों के दौरान टीम के अन्य खिलाड़ियों के साथ रह सकेंगे। वे टीम मीटिंग्स में हिस्सा भी लेंगे।

यह फैसला ICC (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) की चाइल्ड सेफगार्डिंग पॉलिसी के कारण लिया है, जिसे ICC ने इसे 2019 में लागू किया था। भारत-आयरलैंड टी-20 सीरीज 26 जून से शुरू होगी। इसके बाद 1 जुलाई से टीम इंडिया इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। जहां 5 टी-20 और 3 वनडे मैच होंगे।

वैभव से पहले इंग्लिश क्लब आर्सेनल के फुटबॉलर मैक्स डोमैन को दिसंबर 2025 में टीम के अन्य खिलाड़ियों से अलग चेंजिंग रूम मिला था। उस वक्त उनकी उम्र 15 साल थी।

क्या है सेफगार्डिंग पॉलिसी

अंडर-16 खिलाड़ियों के लिए सेफगार्डिंग पॉलिसी के तहत अलग नियम होते हैं। इसका उद्देश्य नाबालिग खिलाड़ियों को शारीरिक शोषण, मानसिक प्रताड़ना और किसी भी तरह के दुर्व्यवहार से सुरक्षित रखना है। इसके तहत खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ माहौल बनाया जाता है।

नाबालिग खिलाड़ियों की सुरक्षा के लिए नियम क्यों बने ?

खेलों में चाइल्ड सेफगार्डिंग नियम अचानक नहीं बने। सालों तक स्पोर्ट्स अकादमी, ड्रेसिंग रूम और ट्रेनिंग सेंटर्स में नाबालिग खिलाड़ियों के साथ यौन शोषण, मानसिक प्रताड़ना के कई मामले सामने आए। इन घटनाओं के बाद फीफा, इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी जैसी संस्थाओं को 'लॉकर रूम बैन' और 'नो 1-ऑन-1' जैसे सख्त नियम बनाने पड़े। बाद में इन नियमों को ICC ने भी स्वीकार किया।

दिल्ली रेप-मर्डर, दावा- आरोपी नपुंसक निकला

नई दिल्ली. दिल्ली में 11 साल की बच्ची के रेप-मर्डर को लेकर नया दावा किया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपी कैब ड्राइवर इरेक्टाइल डिस्फंक्शन, यानी शारीरिक संबंध बनाने में दिक्कत आने से पीड़ित था। उसकी नपुंसकता रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। आरोपी ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि उसने गाड़ी की पिछली सीट पर बच्ची के साथ रेप करने की कोशिश की। लेकिन इरेक्टाइल डिस्फंक्शन के कारण वह ऐसा नहीं कर सका।

आरोपी ने कहा कि उसने बच्ची को शोर मचाने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी और फिर उसे फरीदाबाद-गुरुग्राम सीमा के पास एक सुनसान जंगली इलाके में ले गया। जहां उसकी हत्या कर दी और शव को पत्थरों के ढेर के नीचे छिपा दिया।

आरोपी बच्ची को गाड़ी में 12 किमी तक घुमाता रहा

पांच लोगों का परिवार फुटपाथ पर एक कतार में सो रहा था, जिसमें बच्ची अपनी मां, मौसी, भाई और पिता के बीच में थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी बाशु कुमार सिंह ने अपनी कार उनके ठीक बगल में खड़ी की थी और उसका पिछला दरवाजा खुला था।

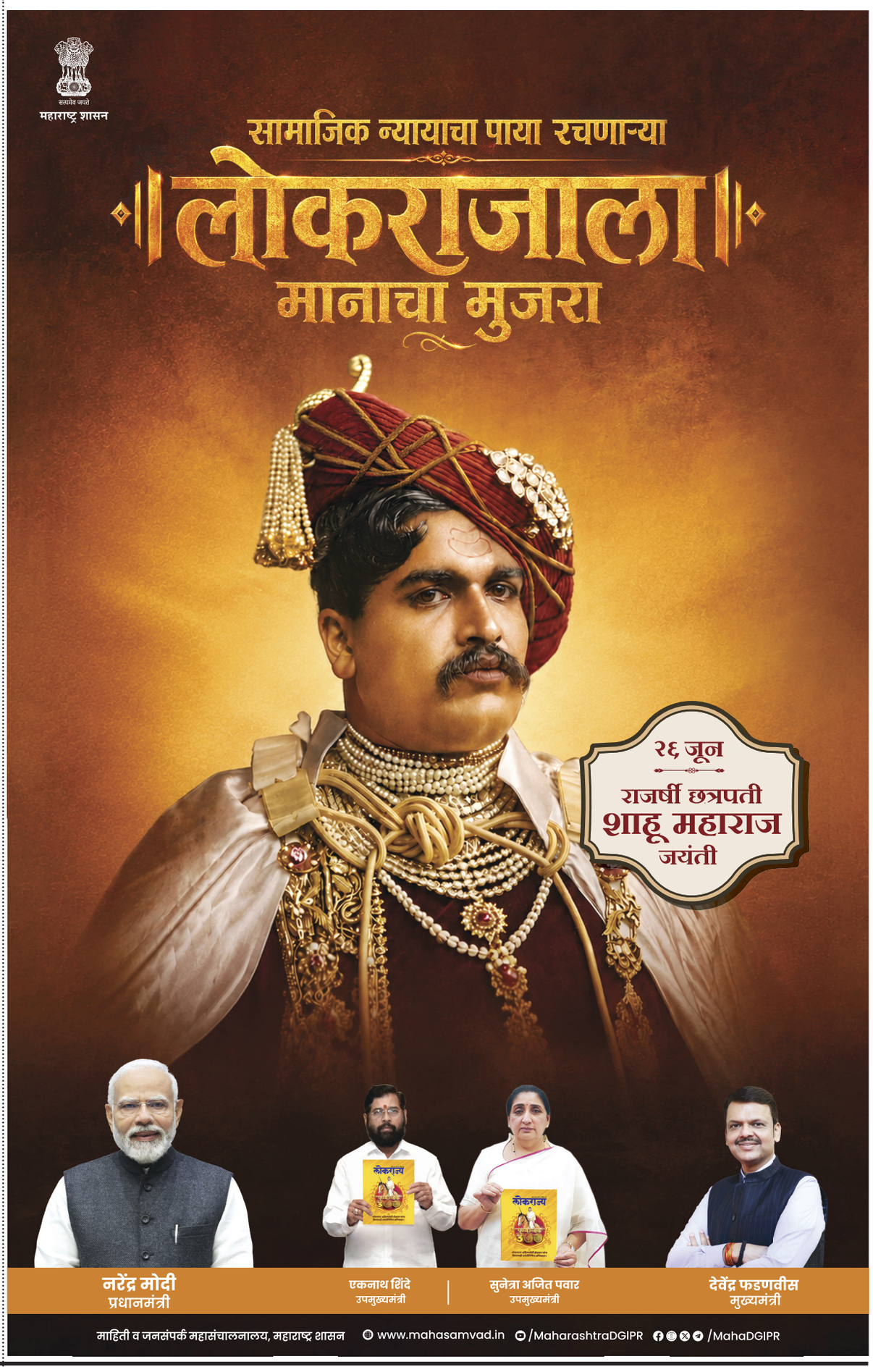

संक्षेप...

29 को इस्कॉन मंदिर में भगवान जगन्नाथ स्नान यात्रा महोत्सव का आयोजन

भिवंडी. इस्कॉन मंदिर में श्री श्री राधा माधव मंदिर में सोमवार, 29 जून को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक भगवान श्री श्री जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा के पावन स्नान यात्रा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा. वैदिक परंपरा के अनुसार स्नान यात्रा के दिन भगवान जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा का विशेष स्नान एवं अभिषेक किया जाता है. भव्य स्नान के उपरांत भगवान कुछ दिनों तक अनवसरा काल में विश्राम करते हैं, ऐसी पारंपरिक मान्यता है.

विपक्षी गठबंधन में टूट के आसार?

- MVA की बैठक से शरद पवार और जयंत पाटील रहे दूर

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र के बीच महाविकास अघाड़ी के नेताओं की बैठक हुई. इस बैठक में 60 में से 37 विधायक मौजूद थे, जबकि जयंत पाटील समेत 23 विधायकों ने बैठक से दूरी बनाई. इस बैठक में शरद पवार और जयंत पाटिल का निजी कारणों से शामिल नहीं होने की बात कही है. विधानसभा का मानसून सत्र चल रहा है ऐसे में विपक्ष प्रभावी ढंग से मुद्दों को नहीं उठा पाया जिस तरह से उठाना चाहिए था. इसी को लेकर यह बैठक बुलाई गई थी.

इस बैठक में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गठबंधन में एकता पर जोर दिया. उन्होंने कहा, 'हम महाविकास आघाड़ी के रूप में एक साथ होने की बात करते हैं, लेकिन क्या हम वास्तव में एकजुट हैं? आगे हमें एकजुट होकर ही काम करना होगा.' पार्टी के छह सांसदों की बगावत के बाद उद्धव ठाकरे ने महाविकास आघाड़ी की बैठक में गठबंधन की एकता को लेकर खेद व्यक्त किया.

- बैठक में उद्धव ठाकरे ने उठाए सवाल

उद्धव ठाकरे ने सवाल उठाते हुए कहा, 'महाविकास आघाड़ी के रूप में क्या हम सदन में एकजुट हैं? क्या हम एकसाथ मुद्दे उठाते हैं?' उद्धव ठाकरे ने बैठक में उपस्थित नेताओं से यह सवाल पूछा. इसके अलावा, आने वाले समय में विधानसभा और विधानमंडल के सत्रों के दौरान भी महाविकास आघाड़ी की एकजुटता विपक्ष के रूप में दिखाई देनी चाहिए. साथ ही, राज्यभर में होने वाली सभाएं, बैठकें और आंदोलन भी संयुक्त रूप से आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि हमारी एकता पूरे राज्य में दिखाई दे. बैठक में मौजूद अन्य नेताओं के अनुसार उद्धव ठाकरे ने यह मत भी व्यक्त किया.

ठाकरे गुट के छह सांसदों की बगावत के बाद भी इस मुद्दे पर बैठक में कोई सीधी चर्चा नहीं हुई. महाविकास आघाड़ी की बैठक में कुल 60 विधायकों में से 37 विधायक उपस्थित रहे, जबकि 23 विधायक अनुपस्थित रहे. जानकारी के अनुसार, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार और जयंत पाटील व्यक्तिगत कारणों से बैठक में शामिल नहीं हो सके.

मनपा के स्वास्थ्य विभाग में फर्जी अटेंडेंस का मामला

- विधानसभा में विधायक रईस शेख ने उठाया मुद्दा
- दावा - करीब 300 कर्मचारी छह महीने से ड्यूटी से गैरहाजिर होने के बावजूद सैलरी ले रहे
- हाई-लेवल जांच और FIR की मांग

भिवंडी. भिवंडी-निजामपुर महानगर पालिका के स्वास्थ्य विभाग में कर्मचारियों को फर्जी साइन के आधार पर काम पर मौजूद न होने पर भी सैलरी दिए जाने का गंभीर आरोप लगा है और यह मामला अब राज्य विधानसभा में भी उठा है। भिवंडी ईस्ट विधानसभा क्षेत्र के MLA रईस शेख ने यह मुद्दा विधानसभा में उठाया और आरोप लगाया कि मनपा के हेल्थ डिपार्टमेंट में बड़े पैमाने पर करप्शन है।

सदन में बोलते हुए MLA रईस शेख ने कहा कि हेल्थ डिपार्टमेंट में कुछ कर्मचारी फर्जी साइन के जरिए अटेंडेंस दिखाकर काम पर मौजूद न होने के बावजूद रेगुलर सैलरी ले रहे हैं। उनके मुताबिक, पिछले करीब छह महीने से करीब 300 कर्मचारी रेगुलर ड्यूटी पर नहीं आ रहे हैं, जिससे शहर में सफाई व्यवस्था पर गंभीर असर पड़ा है। उन्होंने यह भी बताया कि शहर के कई हिस्सों में कूड़े के ढेर लगे रहते हैं, सफाई का काम समय पर नहीं होता और लोगों को गंदी जगहों का सामना करना पड़ता है। MLA शेख ने बताया कि जो कर्मचारी काम पर नहीं आते, उन्हें सैलरी देना लोगों के टैक्स के पैसे की बर्बादी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले से मनपा में एक संगठित भ्रष्ट सिस्टम चलने की आशंका बढ़ गई है. MLA ने सदन में यह भी बताया कि इस कथित स्कैम की जानकारी पूर्व कॉर्पोरेटर सद्दाम खान ने दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए, उन्होंने मांग की कि संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ तुरंत केस (FIR) दर्ज किया जाए और पूरे मामले की हाई-लेवल और निष्पक्ष जांच की जाए।

इस बीच, विधानसभा में यह मुद्दा उठने के बाद भिवंडी-निजामपुर मनपा के कामकाज और खासकर स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी पर सवालिया निशान लग गया है। अब भिवंडी निवासियों का ध्यान इस बात पर है कि राज्य सरकार और नगर निगम प्रशासन इस मामले में क्या भूमिका निभाएगा और जांच के बारे में क्या फैसला लेगा।

मुहर्रम के मौके पर भिवंडी में ट्रैफिक में बदलाव

- वसई, वाडा और मुंबई नासिक हाईवे पर जाम की संभावना

भिवंडी. मुस्लिम समुदाय का त्योहार मुहर्रम शुक्रवार को मनाया जाएगा और इस मौके पर भिवंडी शहर में अलग-अलग जगहों पर जुलूस निकाले जाएंगे। इन जुलूसों को देखते हुए, ठाणे ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैफिक जाम से बचने के लिए भिवंडी शहर में ट्रैफिक में बदलाव किए हैं। ये ट्रैफिक बदलाव शुक्रवार दोपहर 1 बजे से जुलूस खत्म होने तक लागू रहेंगे। इसलिए, दूसरे रास्ते पर ट्रैफिक जाम की संभावना जताई जा रही है। रांजनोली नाका से भिवंडी शहर आने वाली भारी, मीडियम और हल्की गाड़ियों के साथ-साथ कार, रिक्शा और टू-व्हीलर की एंट्री रांजनोली नाका पर बंद रहेगी। ST, KDMT और TMT बसों की एंट्री भी रांजनोली नाका पर बैन रहेगी। ये गाड़ियां रांजनोली नाका से मुंबई-नासिक एग्जिट, मनकोली नाका, अंजुरफाटा, वसई रोड या ओवली खिंड होते हुए अपनी मनचाही जगह जा सकती हैं।

साथ ही, वाडा रोड से भिवंडी शहर में आने वाली भारी गाड़ियों की एंट्री अंबाडी नाके पर बैन रहेगी। यहां से नदी नाका होकर आने वाली गाड़ियों की एंट्री परोल फाटा से बैन रहेगी। भारी गाड़ियां अंबाडी से नेशनल हाईवे 8 या मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन वॉटरवे से जाएंगी। हल्की गाड़ियां परोल फाटा से दाएं मुड़कर खोनीगांव, तलवली फाटा, कंबा रोड होते हुए अपनी मंज़िल पर जाएंगी, या विश्वभारती फाटा से बाएं मुड़कर गोरसाईगांव होते हुए जाएंगी।

वडपा चेक पोस्ट से भिवंडी शहर में आने वाली सभी तरह की गाड़ियों की एंट्री धमनगांव-जंभोली वॉटरवे नाका और चाविंद्रा नाका से बैन रहेगी। यहां की गाड़ियां धमनगांव वॉटरवे से दाएं मुड़कर वाडा या अपनी मंज़िल पर जाएंगी। बसों में बैठे पैसेंजर को चाविंद्रा नाका पर उतारा जाएगा और वहां से वे पैसेंजर को उठाएंगी और आगे ले जाएंगी। मुंबई, ठाणे से ओल्ड ठाणे आगरा रोड होते हुए भिवंडी शहर की ओर जाने वाले भारी, भारी और मीडियम साइज़ के वाहनों को अंजुरफाटा पर एंट्री करने से बैन कर दिया जाएगा। हल्के वाहनों, ST, TMT बसों को नारपोली पुलिस स्टेशन पर एंट्री करने से बैन कर दिया जाएगा। भारी और भारी वाहन वसई से करीवली जकात नाका और विटभट्टी होते हुए जाएंगे। ST, TMT बसें यात्रियों को पुलिस स्टेशन के पास उतारेंगी और वहां से यात्रियों को वापस ले जाएंगी। शांतिनगर से कोट्रोट जकात नाका और भिवंडी न्यू ST स्टैंड से कोट्रोट जकात नाका तक जुलूस के रास्ते पर दोनों तरफ वाहनों को पार्किंग पर बैन लगा दिया गया है।

अगस्त में होगी 'ठाणे महापौर वर्षा मैराथन'

ठाणे. ठाणे महानगरपालिका की तरफ से 32वीं 'ठाणे महापौर वर्षा मैराथन' का आयोजन इस साल अगस्त महीने में किया जाएगा.

यह आयोजन सात साल बाद किया जा रहा है. आखिरी 'ठाणे महापौर वर्षा मैराथन' का आयोजन वर्ष 2019 में किया गया था. गुरुवार को महापौर शर्मिला पिंपलोलकर की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें मैराथन की तैयारियों की समीक्षा की गयी.

ठाणे महानगरपालिका एवं ठाणे जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में ठाणे महापौर वर्षा मैराथन का आयोजन किया जाएगा. इसकी तारीख की घोषणा जल्द ही की जाएगी.

पहली बारिश में ही नालों की सफाई की खुली पोल

- तीन बत्ती इलाके में आधा फुट तक पानी जमा हो गया

भिवंडी. मंगलवार को शहर में भारी बारिश हुई। बारिश आने से गर्मी से परेशान लोगों को राहत मिली है और ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोग खुश हो गए हैं। हालांकि, शहर में नालों की सफाई का मनपा प्रशासन का दावा पहली ही बारिश में झूठा साबित हुआ है और नाले की सफाई के काम की पोल खुल गई है। शहर के तीन बत्ती इलाके में आधा फीट तक पानी जमा होने से लोगों को सड़क साफ करने के लिए मशक्कत करनी पड़ी।

शहर के निचले इलाकों में पानी जमा होने से रोकने के लिए नगर निगम प्रशासन ने करोड़ों रुपये खर्च करके नालों की सफाई के ठेके दिए हैं। हालांकि, पहली ही बारिश में ठेकेदारों द्वारा नाले की सफाई के काम में लापरवाही बरतने की तस्वीर सामने आई है। इसलिए, यह देखना जरूरी है कि मेयर नारायण चौधरी इन ठेकेदारों के खिलाफ क्या कार्रवाई करते हैं।

कल्याण के धावकों ने साउथ अफ्रीका में कॉमरेड्स मैराथन पूरा किया

- दुनिया की सबसे मुश्किल, सबसे चैलेंजिंग मैराथन

कल्याण. दुनिया की सबसे मुश्किल, सबसे चैलेंजिंग, पहाड़ी और पठारी रेस के तौर पर मशहूर 85.77 km की अल्ट्रा-मैराथन कॉमरेड्स मैराथन को साउथ अफ्रीका में कल्याण के तीन धावकों ने कामयाबी से पूरा किया। आयोजकों ने इस साल की रेस का नाम 'डोंट गिव अप' रखा था।

कल्याण शहर के डॉ. हरीश शहादादपुरी ने 85.77 km की रेस 10 घंटे 10 मिनट में, डॉ. सोमनाथ बभाले ने 10 घंटे 54 मिनट में और संजय कालुखे ने 11 घंटे 35 मिनट में पूरी की। रेस के दौरान, तीनों रनर्स को कुछ ही घंटों में ऐसी मुश्किलों का सामना करना पड़ा, जो उन्होंने अपनी ज़िंदगी में पहले कभी महसूस नहीं की थीं। इन कामयाब रनर्स ने कहा कि ये अनुभव भविष्य के लिए बहुत इंस्पायरिंग हैं। यह रेस न सिर्फ दौड़ने की ताकत सिखाती है, बल्कि मुश्किलों से उबरने का पक्का इरादा भी सिखाती है। कल्याण के ये तीनों कॉम्पिटिटर्स 'डोंट गिव अप' के आम जीवन मंत्र को फॉलो करते हुए दौड़े।

- एक रोमांचक अनुभव

जब रेस 19 किलोमीटर दूर थी, तो अच्छी रफ़्तार से आ रहे एक रनर ने संजय कालुखे को पीछे से ज़ोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह कोर्स पर तीन बार गिरे। उनके कंधे में गंभीर चोट लग गई। उस समय, कई कॉम्पिटिटर इमोशनल हो गए और उन्होंने रेस छोड़ने का फ़ैसला किया। लेकिन, संजय कालुखे अपने इरादे पर अड़े रहे, शारीरिक दर्द, मानसिक ट्रॉमा और स्ट्रेस को झेलते हुए, और किसी भी हालत में हार न मानने का तय किया। उन्होंने हालात पर काबू पाया और फिर से दौड़ना शुरू कर दिया। इस मुश्किल हालात में, उन्होंने 85.77 km की रेस समय पर पूरी करके हिम्मत की एक नई मिसाल कायम की। कल्याण लौटने के बाद, कालुखे ने मेडिकल ट्रीटमेंट शुरू किया। उस समय, एक एक्स-रे से पता चला कि उनके कंधे की हड्डी टूट गई है। टूटे हुए कंधे के साथ, शरीर का इतने मुश्किल कोर्स पर आज़ादी से हिलना और दौड़ना लगभग नामुमकिन माना जाता है। बहुत ज़्यादा दर्द सहने के बावजूद, संजय कालुखे ने कॉमरेड्स मैराथन के मोटो 'नेवर गिव अप' को निभाते हुए रेस पूरी की।

डॉ. शहादादपुरी के सामने एक अनोखा चैलेंज

डॉ. हरीश शहादादपुरी के सामने एक अनोखा चैलेंज था। रेस से कुछ दिन पहले, उनकी पत्नी को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इस बात को लेकर बहुत पक्का नहीं था कि वह इस साल कॉमरेड्स में हिस्सा ले पाएंगे या नहीं। उन्होंने इस मेंटली चैलेंजिंग सिचुएशन में हिम्मत नहीं हारी। रेस के लिए निकलने से ठीक एक दिन पहले, उनकी पत्नी को हॉस्पिटल से सेफ डिस्चार्ज कर दिया गया। उन्होंने पूरी रेस में उनका साथ दिया। उसके बाद, वह साउथ अफ्रीका के लिए निकल गए। पर्सनल परेशानियों के बावजूद, उन्होंने रेस सक्सेसफुली पूरी की।

उल्हासनगर का युवक भी पहुंचा डरबन मैराथन में

उल्हासनगर निवासी 33 वर्षीय युवक मनीष कुकरेजा ने भी कामरेड्स मैराथन 2026 जोकि 14 जून को दक्षिण अफ्रीका के डरबन में आयोजित किया गया था उसमें हिस्सा लेकर शहर का नाम रोशन किया है। मनीष कुकरेजा ने 87 किलोमीटर की यह मैराथन रिकॉर्ड 11 घंटे 22 मिनट 32 सेकंड में पूरी की है। उन्होंने अपने कोच डॉ. योगेश सातव व टीम का आभार प्रकट किया है।

सामंथा रुथप्रभू ने कन्फर्म की प्रेग्नेंसी

- मेटरनिटी ब्रेक लेंगी
- बेबी बंप दिखने से हुआ था खुलासा
- 6 महीने पहले की राज निदिमोरू से शादी

साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथप्रभू ने बुधवार को एक इवेंट में प्रेग्नेंसी की खबरों पर कन्फर्मेशन दे दी है। एक इवेंट में टी-शर्ट पहनने से दिखे बेबी बंप के बाद से ही एक्ट्रेस के प्रेग्नेंट होने की खबरें थीं। एक्ट्रेस ने अब बताया है कि वो मदरहुड के लिए फिल्मों से ब्रेक भी लेने वाली हैं।

सामंथा रुथप्रभू बुधवार को हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म मां इंती बंगारम के सक्सेस मीट में पति राज निदिमोरू के साथ पहुंची थीं। इवेंट में मीडिया से बातचीत करते हुए सामंथा ने प्रेग्नेंसी कन्फर्म करते हुए कहा, 'मां इंती बंगारम के बाद मैं अपनी कंडीशन को देखते हुए एक छोटा सा ब्रेक लूंगी। मुझे मेटरनिटी लीव लेनी ही पड़ेगी। इसके बाद मैं अपने फैंस के लिए एक और फिल्म के साथ वापसी करूंगी।'

सामंथा रुथप्रभू की फिल्म मां इंती बंगारम 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म को दर्शकों की काफी सराहना मिल रही है। फिल्म की सक्सेस का जश्न मनाने के लिए हाल ही में सामंथा एक फैन मीट-अप का हिस्सा बनी थीं, जहां उन्होंने व्हाइट टी-शर्ट के साथ डेनिम पेयर किया था। इवेंट से बाहर आते हुए हर किसी की नजर उनके बेबी बंप पर थी, जो फिटेड टी-शर्ट में साफ नजर आ रहा था।

पत्रकारों का विरोध प्रदर्शन

- सांसद संजय दीना पाटिल के खिलाफ गुस्सा फूटा

ठाणे. ठाणे में पत्रकारों ने संजय दीना पाटिल के खिलाफ कड़ा गुस्सा दिखाया। आरोप है कि हाल ही में यूबीटी से शिंदे ग्रुप में शामिल हुए सांसद संजय दीना पाटिल पत्रकारों के सवालों से अपना बैलेंस खो बैठे और खुलेआम पत्रकारों को पीटने की धमकी दी। इतना ही नहीं, पत्रकारों के प्रति बेहद आपत्तिजनक और बेइज्ज़ती वाली भाषा का इस्तेमाल करने से पत्रकारिता जगत में गुस्से की लहर दौड़ गई।

इस घटना के विरोध में ठाणे मनपा मुख्यालय के सामने ठाणे शहर दैनिक पत्रकार संघ के सभी अधिकारियों और सदस्यों ने कड़ा विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में पत्रकारों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर संजय दीना पाटिल के खिलाफ नारे लगाए गए और सख्त कार्रवाई की मांग की गई।संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे पिलर पत्रकारों के साथ ऐसा व्यवहार बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सवाल पूछना पत्रकारों का अधिकार है और अगर जनप्रतिनिधि धमकी और गाली-गलौज का इस्तेमाल करते हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता की बात है।इस विरोध प्रदर्शन के दौरान पत्रकारों ने मांग की कि संजय दीना पाटिल प्रशासन से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें और भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए सख्त कदम उठाएं।इस पूरे मामले ने राजनीतिक हलकों के साथ-साथ पत्रकारिता के क्षेत्र में भी भारी हलचल मचा दी है और अब सबका ध्यान इस बात पर है कि इस मामले में क्या कार्रवाई की जाएगी।

टिटवाला गणेशवाड़ी में पहाड़ खोदकर बनाई गई अवैध चालियां गिराई गईं

कल्याण. टिटवाला गणेशवाड़ी इलाके में भूमि माफियाओं ने पहाड़ खोदकर अवैध चालियां बना ली थीं। जैसे ही महानगर पालिका प्रशासन को इसकी शिकायत मिली, सीनियर्स के आदेश पर टिटवाला ए वार्ड के असिस्टेंट कमिश्नर जयवंत चौधरी ने मंगलवार को एक डेमोलिशन टीम बनाकर JCB की मदद से इन चालियों को गिरा दिया।

टिटवाला, मांडा, बाल्याणी और बनेली इलाकों में खाली सरकारी, जंगल और महानगर पालिका की रिजर्व जमीनों पर कब्जा करने के बाद, अवैध चालियों के लिए कोई जगह नहीं बची, तो भूमि माफियाओं ने टिटवाला गणेशवाड़ी इलाके में पहाड़ खोदकर अवैध चालियां बना ली थीं। यह काम पिछले चार-पांच दिनों से दिन-रात चल रहा था। इस काम के लिए महानगर पालिका के मेन वॉटर चैनल से पानी की सप्लाई चोरी की जा रही थी। कल्याण, डोंबिवली, टिटवाला शहरों के कई हिस्सों में लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है और भूमि माफिया बिना किसी रोक-टोक के पानी का इस्तेमाल कर रहे हैं, इस पर गणेशवाड़ी इलाके के लोग कड़ी नाराज़गी जता रहे थे।

पहाड़ी खोदकर आठ से दस चालियां बनाने के बाद, भूमि माफिया ने इस इलाके में और चालियां बनाने की योजना बनाई थी। इससे पहले, जैसे ही महानगर पालिका कमिश्नर अभिनव गोयल और अतिक्रमण कंट्रोल डिप्टी कमिश्नर प्रसाद बोरकर ने असिस्टेंट कमिश्नर चौधरी को तुरंत टिटवाला गणेशवाड़ी इलाके में जाकर बन रही गैर-कानूनी झुग्गियों को तुरंत गिराने का आदेश दिया। सीनियर अधिकारियों के आदेश के अनुसार, असिस्टेंट कमिश्नर चौधरी बिना देर किए गणेशवाड़ी गए और JCB की मदद से भूमि माफिया के गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन को गिरा दिया।

आम सूचना

मैं श्री आशुतोष जय प्रकाश उपाध्याय सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, हनुमान नगर, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 19बीओ020817000) उक्त प्रॉपर्टी श्री दिपककुमार राजेश तिवारी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 23.6.2026 सी.नं. 2036/2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री आशुतोष जय प्रकाश उपाध्याय

CHANGE OF NAME

I Declare My Old Name is
PRITI RAJENDRA JAISWAR
to New Name
PRITI RAJENDRA JAISWAL.
So All Public now Call me
PRITI RAJENDRA JAISWAL.
Add. 104/B, Mamta Apartment, Near Aashirwad Hospital, Maratha Section 32, Ulhasnagar- 421004.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099